राग - शंकरा

थाट - बिलावल
वादी - पंचम (प) या ग
जाति - ओडव / षाड़व
वर्ज्य - आरोह में रे और म
अवरोह में म -

समय - रात्रि का द्वितीय प्रहर या मध्यरात्रि
संवादी - षड्ज या निषाद
रस - श्रृंगार चंचल, ईश्वरभक्ति

विशेष विवरण - इस राग की जाति के बारे में मतभेद हो सकते हैं मध्यम पूर्णतया वर्जित है, लेकिन आरोह में रिषभ भी वर्जित किया जाता है, अत: जाति ओडव / षाडव होती है, परंतु कुछ विद्वान ऐसा मानते हैं कि आरोह में भी वक्र रूप से रिषभ का प्रयोग किया जाता है, अत: जाति वक्र षाडव / षाडव है. दोनों ही मान्यता सही है. इसी प्रकार वादी - संवादी में भी - पंचम - षड्ज और गांधार - निषाद दोनों ही प्रबल है। यह राग उत्तरांग में अधिक खिलता है। यह एक प्राचीन राग है। इसमें ख्याल, ध्रुपद और धमार गाये जाते हैं। मध्यलय की चीजों में लयकारी का प्रयोग बहुत सुंदर प्रतीत होता है। शंकरा का निकटवर्ती राग बिहाग और अल्हैया बिलावल है। लेकिन शंकरा का अपना स्वतंत्र व्यक्तित्व है। "सारेगप" और "गपधनी" इस प्रकार कभी प्रयोग नही करना चाहिये ऐसा करने से अल्हैया - बिलावल हो जायेगा। "सागप", गपनीध, सांनी इस प्रकार ही प्रयुक्त करना उचित है।

आरोह - सा ग प नी ध सां

अवरोह - सां नी प नी ध सां नी प ग प ग (रे) सा

राग का मुख्य अंग - सां नी प, गप ग (रे) सा

शंकरा

सरगम गीत — ताल - सपताल

स्थाई

सां सां	नी नी प	प नी	ध सांनी	प ग	प नी प	ग प	ग - सा
नी़ प़	नी़ सा ग	सा ग	प नी प	सांनी	प ग प	ग प	ग - सा
x	2	0	3	x	2	0	3

अंतरा -

प प	सां - सां	सां सां	रें रें सां	सां रें	सां नी प	प नी	ध सांनी
सां सां	गं गं पं	गं पं	गं - सां	सांनी	प ग प	ग प	ग - सा
x	2	0	3	x	2	0	3

ध्वीं ना ध्वींध्वींना तीं ना ध्वींध्वींना ध्वींना ध्वींध्वींना तींना ध्वींध्वींन

स्वर - विस्तार -

(1) सा ऽऽ ग ऽऽ सा नी़ ऽऽ ध़ ऽऽ सा ऽऽ |

(2) प़ नी़ ध़ नी़ ऽऽ सा ऽऽ ग प, ग ऽऽऽ सा

(3) ग प नी ध सां ऽऽ नी प गप गप ग ऽऽ सा सा ऽऽ ग ऽऽ प नी ध नी सां, नी ऽ प ग प नी ध सां ऽऽ नी ऽऽ प गप ग ऽऽ सा

(4) सा ग प धप पप सां ऽऽ नी रें सां, प नी सां रें नी सां नी प ग प गप ग - सा

शंकरा - तराना

ताल - त्रिताल

स्थाई -

तनन दीं तनन दीं, दीम् तननन दीं
तनोम् तदारेदानी, तनोम् तदारेदानी।

नी ध सां	नी - प -	- प ग प	ग - सा -
त न न	दीं - - -	- त न न	दीं - - -
सा - ग ग	प प नीध सां	पंगं -पं गंरें सांसां	पग -प गग सासा
दीं - त न	न न दीं - -	तनों -त दरे दानी	तनों -त दरे दानी
3	x	2	0

अंतरा दीं तनोम् तनोम् दीर दीर दीर दीर दीं तान्
धलांग तिरकिट धा धा तिरकिट
धा धा तिरकिट धा, धा धा तिरकिट धा धा तिरकिट धा
सासा गप नीधसां, सासागपनीधसां सासा गपनीधसां

ग - प सां	- सां सां -	सां सां सां सां	सांनी रें - सां
दीं - त नोम्	- त नोम् -	दीर दीर दीर दीर	दीं - ता - न
पंगं -पं गंगं पंपं	गं गं सां सां	सांसां सांसां सां सां	सांसां सांसां सां सांसां
धलां -ग तिर किट	धा धा तिर किटधा	धाधा तिरकिट धा धाधा	तिरकीट धा धाधातिरकि
धा सासा गप नीध	सां सासा गप नीध	सां सासा गप नीध	सां त न न
x	2	0	3

शंकरा - ध्रुपद ताल - चौताल

स्थाई - शंकर शिव गंगाधर, गौरी वर सुख सागर।
जेही निवासी हिमगिरी पर, त्रिपुरारी त्रिशुलधर।

अंतरा - गौर तनु हास्य वदन, मदन दहन व्याघ्रासन।
कर दरशन, हे पावन, सकल जीव सुर मुनिवर॥

सां -	नी नी	प प	ग प	नी ध	सां नी
शं -	क र	शि व	गं -	गा -	धर
प -	प -	ग प	ग प	ग -	सा सा
गौ -	री -	व र	सु ख	सा -	ग र
x	0	2	0	3	4
सा सा	सा ग	प प	नी ध	सां नी	प प
जे ही	नि वा	- सी	हि म	गि री	ध र
सां सां	गं -	सां -	नी नी	सां नी	- प
त्रि पु	रा -	री -	त्रि शु	ल ध	- र
x	0	2	0	3	4
		अंतरा ↓			
प -	सां सां	सां -	सां -	सां नी	रें सां
गौ -	र त	नु -	हा -	स्य व	द न
सां सां	नी नी	प प	ग प	नी ध	सां नी
म द	न द	ह न	व्या -	घ्रा -	स न
सां सां	गं गं	गं पं	गं पं	गं -	सां सां
क र	द र	श न	हे -	पा -	व न
सां सां	नी प	- प	ग प	ग ग	सा सा
स क	ल जी	- व	सु र	मु नि	व र
x	0	2	0	3	4
धा धा	दीं ता	किट धा	दीं ता	किट तक	गदि गन

शंकरा - (छोटा ख्याल) ताल - त्रिताल

स्थाई - सांवलडो म्हाने भायो, देखत ही मुखड़ु लुभायो।

अंतरा - सोहनी सूरत रंग भरी मूरत, मुख सों वेणु बजायो॥

			सां -
			साँ -
नी नी प -	- ग - प	ग - - -	सा - - -
व ल डो -	- म्हा - ने	भा - - -	यो - - -
सा - ग ग	प - नी ध	सां - नी प	ग प सां -
दे - ख त	ही - चि त	ड़ु - लु भा	- यो सां -
0	3	x	2
	अंतरा -	अंतरा -	
ग प सां सां	सां - सां सां	सां सां सां सां	नी ध सां नी
सो - ह नी	सू - र त	रं ग भ री	मू - र त
सा सा ग -	प - नी नी	सां - नी -	प गप सां -
मु ख सो -	वे - णु ब	जा - यो -	- - सां -
0	3	x	2
स्थाई के आलाप -			
(1) सा ग सा ग	प ग प ग	प ग - सा	नी ध सा -
(2) ग - - -	प - - -	नी ध सां -	
(3) ग - प -	नी ध सां -	नी - प गप	सां ~~ध~~ - सां
(4) प नी ध नी	सां - - -	सां नी प ग	प नी ध सां
अंतरे के आलाप -			
(1) प - प -	सां रें सां -	नी ध सां -	- - - -
(2) प ग प -	प नी सां -	नी सां गं -	सां - - -
(3) सा सा ग प	ग ग प नी	~~नी ध प ध नी~~	~~ध सां~~ - - -
		ध सां - नी	ध नी सां